विधान-सभा अध्यक्षों का हिंदी अवदान

संपादक : डॉ. किरन पाल सिंह

Scanned with OKEN Scanner

विधान-सभा अध्यक्षों का हिन्दी-अवदान

संपादक : डॉ. किरन पाल सिंह

ISBN : 978-93-93605-78-8

मूल्य : 450.00

प्रथम संस्करण : 2022

© डॉ. किरन पाल सिंह

प्रकाशक

सर्व भाषा ट्रस्ट

J-49, Street No. 38, Rajapuri, Main Road,

Uttamnagar, New Delhi-110059

ईमेल : sbtpublication@gmail.com

वेबसाइट : www.sarvbhashatrust.com

मोबाइल : +91 8178695606

मुद्रक : आर. के. ऑफसेट प्रोसेस, दिल्ली

VIDHAAN-SABHA ADHYAKSHO KA HINDI-AVADAAN

Editor : Dr. Kiran Pal Singh

Price : Rs. 450.00

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विषय	लेखक	पृ.सं.
	भूमिका	**डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह 'संजय'**	05
	एक अभिनव प्रयास	**पूरन चन्द्र विश्वकर्मा**	11
	संपादकीय	**डॉ. किरन पाल सिंह**	13
1.	राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन: राष्ट्रभाषा हिन्दी के लिए समर्पित व्यक्तित्व	**डॉ. किरन पाल सिंह**	21
2.	हिन्दी के मुखर समर्थक: घनश्याम सिंह गुप्त	**डॉ. किरन पाल सिंह**	59
3.	विश्व-विश्रुत भाषा शास्त्री डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी	**प्रोफेसर आदित्य प्रचण्डिया**	75
4.	युगपुरुष पंडित रघुनाथ विनायक धुलेकर	**डॉ. राम नारायण शर्मा**	87
5.	हिन्दी-अनुरागी जनसेवक पंडित कुंजीलाल दुबे	**श्री सुखवीर सिंह तेवतिया**	97
6.	डॉ. लक्ष्मीनारायण 'सुधांशु': साहित्य एवं राजनीति के शिखर पुरुष	**डॉ. शिववंश पाण्डेय**	103
7.	आचार्य निरंजननाथ आचार्य: साहित्य और शुचिता का विरल संगम	**डॉ. हेतु भारद्वाज**	111
8.	प्रो. वासुदेव सिंह हिन्दी-सेवी एवं सर्वसद्भावी राजनेता	**डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय**	124
9.	बहुमुखी प्रतिभा के धनी : 'विंध्यगौरव' शिवानंदजी	**डॉ. परमानंद श्रीवास्तव**	139
10.	मधुकरराव चौधरी: एक सृजनशील व्यक्तित्व	**डॉ. हेमचन्द्र वैद्य**	159
11.	पं. राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल : राजनैतिक सफ़र एवं साहित्यिक अवदान	**डॉ. अजय पाठक**	171
12.	शब्द-शक्ति के साधक :पं. केशरीनाथ त्रिपाठी	**डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी**	187

Scanned with OKEN Scanner

13. श्री इन्दर सिंह नामधारी: साहित्य, संस्कृति एवं राजनीति के विग्रह
डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय 199
14. राजनीति और साहित्य दोनों के मौन तोड़ने वाले जाबिर हुसेन
श्री शहंशाह आलम 210
15. डॉ. योगानन्द शास्त्री : साहित्य एवं राजनीति के कुशल साधक
डॉ. चन्द्रकेतु तेवतिया 226
16. विश्वचेतना का राजनेता : हृदय नारायण दीक्षित
डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय 'साहित्येन्दु' 239
17. सर्वतोमुखी प्रतिभा के धनी : प्रकाश पंत
डॉ. मुनी राम सकलानी 257

सम्मान्य विशेष सहयोगदाता 263
इस ग्रंथ के सम्मान्य लेखक 264
वर्ण्य-महानुभावों के छाया-चित्र 266

Scanned with OKEN Scanner

भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में विधान सभा का अध्यक्ष एक मुख्य अधिकारी होता है जिसे संविधान, प्रक्रिया, नियमों एवं स्थापित संसदीय परंपराओं के अन्तर्गत व्यापक अधिकार होते हैं। सभा के परिसर में उसका प्राधिकार सर्वोच्च है। सभा की व्यवस्था बनाए रखना उसकी जिम्मेदारी होती है और वह सभा में सदस्यों से नियमों का पालन सुनिश्चित कराता है। सभा के सभी सदस्य अध्यक्ष की बात बड़े सम्मान से सुनते हैं। अध्यक्ष सभा के वाद-विवाद में भाग नहीं लेते, अपितु वे विधान सभा की कार्यवाही के दौरान अपनी व्यवस्थाएँ/निर्णय देते हैं, जो बाद में नज़ीर के रूप में संदर्भित की जाती हैं। विधानसभा अध्यक्ष अनेक के लिए प्रेरणा होते हैं।

हमारे देश के अनेक विधान सभा अध्यक्षों ने हिंदी को बढ़ाने, लोकप्रिय बनाने और उसे [illegible] अब तक ऐसी कोई पुस्तक आई हो जिसमें विधानसभा अध्यक्षों के अस्तित्व एवं कृतित्व को समन्वित कर प्रकाश में लाया गया हो।

'विधानसभा अध्यक्षों का हिंदी अवदान' पुस्तक देश के मूर्धन्य मनीषी-विद्वानों के सारगर्भित एवं तथ्याधारित आलेखों से सुसज्जित और सुशोभित है। यह पुस्तक हिंदी सेवा के सतत् सिपाही और ऊर्जावान व्यक्तित्व के धनी डॉ. किरन पाल सिंह जी के संयोजन एवं सम्पादन कला का एक उत्तम उदाहरण भी है। मेरी दृष्टि में उनकी अन्य पुस्तकों की भाँति यह भी एक प्रेरणादायक और ऐतिहासिक पुस्तक है।

'विधानसभा अध्यक्षों का हिंदी अवदान' संग्रह के माध्यम से पाठकों को भारतीय शासन-तंत्र के स्वरूप विधायिका का एक सहज और समृद्ध रूप मिलेगा। जनप्रतिनिधियों का एक आदर्श और प्रेरक रूप मिलेगा तथा हिंदी सेवा के लिए अनेक उच्च अधिकारियों के साथ उनके अनुगामी भी प्रेरित होंगे। इसका प्रकाशन करते समय मन अति-प्रसन्न व गौरवान्वित है।

— प्रकाशक

सर्व भाषा ट्रस्ट
Sarv Bhasha Trust
+91-8178695606, 9205461387
Buy this book from
www.sarvbhasha.in
ISBN 978-93-93605-78-8
9 789393 605788
₹450

Scanned with OKEN Scanner